## **Series GBM**

Time allowed: 3 hours

Section D : Literature (Prose)

## Code No. **27**

Maximum Marks: 100

50 Marks

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

| Roll No. |  |  |  |  |  |  |  |  |
|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|
|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|

- Please check that this question paper contains **5** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 14 questions.
- Please write down the Serial Number of the question before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

## **BHUTIA**

| The Question Paper will be divided into ${f four}$ sections : |          |
|---|----------|
| Section A : Applied Grammar                                   | 25 Marks |
| $Section \ B: Reading \ Comprehension \ (Unseen \ Passage)$   | 10 Marks |
| Section C : Composition                                       |          |
| (i) Essay Writing   | 08 Marks |
| (ii) Letter Writing   | 07 Marks |

```
के.क्ष्यः भा. श्रीश.धताद्यः
       द्वी.बी. है.चार्ड्,जन्म बीटार्स्ट. के.जू. जब. हैंड
                                                                                   BV58 14
       श्रीरामध्या सर वासूर ल्र वायावा लुव रात्राम्हर यह मी
      श्रीराह्मचे यायाव यावा खेव दियायहूँ र दर यसकार्ये ही
la.
       वर्वेर विरश् बेरे. त.जू. चर. वहाब, रवि.च. वा.बूर. जूर. रवर. वहार हो।
可"
写
       इस्ति, चक्रिं, की. कीरकार, र.चलुप, संपूर्त, हो।
3"
       इंशरहें वार्ता यानकान पहें वास्तिय. वर्ता सामन वर्ता नर्दिन स्वता वास्तुर, व्यूर, व्यूर, व्यूर, व्यूर,
65
       वेंगाची द्वीयद्वति अवः सेयार्थः श्रदश्चरवः द्वीः
                                                                                   6428 04
      मि.सक्ष्याका बूरासी कारासीयका प्रमारे ही. बापरी सुप्ते रूबापहुय ही. ही।
lα.
√1.
      उत्राची क्षेत्रको क्षेत्रको वहवावाय हेबाक् वहवा चन्नसहा चन्नहा है।
       श्रद्भात् बद्भावाश्रवा रहे.व. वास्त्रेर. ल्र. ही
훽.
      इयार्डे. व.सूर. जूर. यर्च.तथम. तर्थर्ड. हो।
5
       क्रीट. लट. पट. चेश्रिम. बीजर्नुषु. सेरे. लुच.चेम. ही।
5
       व्यामी रदायानुसायक पासुसामी क्षेपासूय रेपेर वर्डेड
                                                                                  GV58 03
                                             र. उट्टे. उर्देश.ग्र्री
वि. शर्मी. यर्देर.ग्र्री
       4.522.01
      यम्. श्रूर.म्।
শ
      पूर्वाची, लयाश्चर ही, जे.सर्व. पश्चर ही, ही।
C
      श्रेषाचीयः यस्री
71].
                                            ति. क्. तर्वा.स्रेट. स.पर्वट.
                                        ट. ष्य.श्च. र. केवा.बो
41.
     श.जव. श.जव. सूबी
       र्ज-क्षेत्र वि. पत्रेट.पर्ययक्ष.जबः
```

BV53 10

त्वाची तद्येद तद्येयस श्रुंगक ही दे य हुते वार देश

नेदः चर्ड्यन्त्रा

लुवा शुःक्ष्टं, सुरावताक्षा राज्य, शुवाता, मैथाक, राट्टा मैंत्र्य, लटा लुवा लुशकान्वाद्धं, कूटाका भारत्यो सुरावताका लूटाय, राज्यात्वाका भेटायताका भुटाय, सूत्राप्ता लूशास्त्र लुवा सुरावताका भूटाका क्ष्यां सूर्यं, स्वात्वाका भूटायताका भुटाय, सूत्राप्ताय, स्वा लूशास्त्र सुरावताका राज्या वशकान्यात्वी, रूप्ताप्ता सूत्रा, लूपी सुरावताका भुटाय, सरात्वाचा

न्दः क्रें देण्यः सेन्यतः सेन् वयसः सेन्।

हेस्तर्भवास नटः रेवेरः भरे. लुट्टी लू.पर्ट्स लुट्टास्ट एड्वीस रेव्यस पर्वेवस पर्वेवसम्पूर, स्ट्र केरणद्वः स्वा भेपन्न रक्ष्म सुट्टास्ट स्ट्रिंटः बाडुबी चन्न्दित्तः छुस्टभुवासः भः बाडुबी चन्नर्त्तः इत्याद्वः स्वा भेपन्न स्वर्धेरः लूट्टास सुट्टाम् केरणद्वः व्यवेवसः रक्ष्मि चर्थवासः पर्वेवसःग्रुदः सुट्टा

गा नीरा राज्याद्धिर यात्रा क्षेत्रात्रया हो।

कि. बुट. बाडुवा. चकर.चंद्र. केंबार्श्यांबा. बाव. रेट. रेग्रेर.ग्रेर. खुव.वंश. ही।

वा. नीट वर्षा बाजा र उचा चीचा वात. ह्या स्वाचा गाम ही।

दः विद्वम्या सेर्यः ग्रावाम्यः विवासिः हेवास विर् हो।

अर्झूटः लॅद्राचा पातः दाईगाचा प्रोक्षामात्रा है।

इ.क्ष्यः व. हार्ड्श. रट. चटेट.नुवाः

५ देवाची वर्णे चर्हेर वाक्ष पाडेवा वी हैं हा क्षेत्रा भूत वी है

BY58 04

ग. रट.लेक. लर.मेश. चरेट.चयु. ट्रंब.जू. ट.श्व.मुझ. बोब. बोबट. ट्रंब्स.चयु. ग्लूर. ही

ति. इ.रेबाबा शंत्राबाक्य. तीजा.ची. मीय.क. शुर्थ.चर्च. ब्रीर.जू. ही।

य देवा की. वर्के दाई र. पाडेवा वें. वी वी वाडेवा. दी ह

गा. लर्जन जुन्तवी मूर्यः निविदह्यं जू भरावता पञ्च पर्यः ह्यं जू खेल्या ही।

ा श्रींचाश्ची अळ्चाज्य क्षेत्र पढ़िकाग्ची नर्जेन्काख्या धानो गर्डमा हो।

र्ज-क्षत्रः ट. कुर्वा-क्षेत्रं. कुर्वाश्चरत्रन्ट. रेट. पर्ज्ञ.च. चबट.शूपु. ईशासरी

व्यामी भ्रमासुमामी देग्यास्याम महास्ट मास्रमासी यात दीः क्ष्याक्षिता सि.ब्र्स्ट र्जियनस्य ब्रिक्स च्.क्ष्. य वार्ष्य रियटात्. श्रेयात्र्य रागास्य स्वाप्त ज् चर्टर. व्यास्तव ज्रेर. विवायेत विवायेत विवायेत विवायक्षेत्र विवायक्षेत्र विवायक्षेत्र विवायक्षेत्र स्था ध्यादा है। जबा यु. रू.दे.व. चबरबाही. मैजायू.जू. तेवी. लेजायबुवे. वार्च. थे.चंदु. ग्रूर. तृ। रेवाह्म वाह्यसः सर्वेद में लुस्मवद मी सहद रेपबेद सर्वेर म है। वि.ब्र्ट. र्रिंश्चर्य ब्रीब. सं.क्टर. ज्.च. तमिर. वृष्ट्. बेश्च. ब्रिंग. श्रुंच.र्ट्चय. क्र्य.स्तृ. श्री.मर्थ्य. 4 ज्. पद्मित्र पर्टर देश धूरार्ट्य ग्रीस सिक्ट ज्. वाच्यास है. वाच. वाक्ट पट्ट ब्रीस है। म्रि.पर्केर. ज्राष्ट्रव. यु.रू.व्य.ज्र. ज्र्यं श्रीयाताज्य. वाय. यथरात्. लुव.वया. स्री विशानी देयादुरी वान् वोयार्थ श्रदाश्चरन श्रेः मु.ब्र्ट. र्रियंतव्य.ब्रिश. प्र.जू. रिशक्त विततः ब्रियंटात् चेरेटात्, चेरेटात्, क्षुयंत्रतः ही चर्देव.चू. बोशिश. जनाय. बोय.बोय. ह्यूच.वेश. ह्यी बरबाधिवाज्. शैराबाबी, ब्र्टाब, ब्रि.स्पायपु. की.जू. शैराबाबी, पहुंच.प्रस्थाण, मु.प्र. ही। क्ष्यापा श्रेपदाद्ये. सूराय. वाय. श्रेरबारेग्रेश. हो। रेब्रे.पर्टेष.ज्. श्रेपद्म.श्रे. जूर.व. चेव. रेट. जूबाय. शु.श्टर. ही। दॅबाची क्षेत्रयायस्त्रम् ची वर्षावायस्त्र दये देव परस द्वेश BYE 8 04 श्रावसार्गः हुराई। अयाद्गाया क्षंत्रदेवे वंदर्यं गहेद क्षेत्र्यंग्रा इ.ज्. वद्यवानामः भवाचर्ट्यवी रे.होर. वाबव. रट. विर. वाव. लूरी त्याची. क्ष्मिश्रायस्टनः वारात्याः क्षेत्रः व्यदः यद्दश्यः हीः दीः BV58 04 ररामवितः गाःस् यासवादादी श्रीच्.श्रद. घट.जच. श्रीय.ब्रीक्ष. श्रदक्षा

ब्रेंस्पर्ने, श्रेट्स्स क्रेंट्स सर्वेटबा क्रियेट, बाबोबी, ब्रिक्स क्रेंट्स सर्वेटबा

| 19   | त्वाची. बार्क्ट्स्य, क्रेट्मी. क्षेपार्स, वासवाकी श्रदः   | eyzs og            |   |
|------|---|--------------------|---|
|      | सुयदी व्यव ह्या वसकाउदा देव केवा  |                    |   |
| zη.  | यावशार्ये स्वाप्त सहित वहित र्यो  |                    |   |
| la.  | दे-द्वा येवाब-चन्द्   |                    |   |
| 4].  | र्-द्रम् त्याच्याचन्द्रम् महिन्।<br>व्यायक्यं स्थायं चन्द्रम्   |                    |   |
| 5.   | खेत्-धुर <u>कृच</u>   |                    |   |
|      | प्र्ने.त. तबर.शूरु. ₹श.वर.जबः   |                    |   |
| 13   | वर्गे यः यत्रदर्भेदैः त्रुभाष्ठरायमः यदासुरः यद्वेगीः यदः द्वेश   | BV58 19            |   |
| 271  | वर्त्ते.च. चबर.श्र.पु. पूर्वा.ब्रीपु. ग्रीस.च्रा.ब्रीस. श्री.च्रा.ब्रीस. ईस.ज्. बाय. बार्स.   | रमें है।           |   |
| la.  | वयक्ष मेक वर पर्वेर की पर्वेर में निवास के मेर मेक गी.ज.रेपर मु. पर्वेष मु  | ं चर्मार्गें है।   |   |
| 41   | मैकान, गी.क.रेचर.तूस, धुंब.उत्तरश्र.श्र. च. परेव.च.जू. उत्ती.रेगूश.   | माश्चर प्रदेश व्यव | 1 |
| · ·  | क् मुंदर्स में विद्यारहें व श्री वा   | xS S.              |   |
| 7.   | वर्तीयः वर्त्वरस्य वर्षिरश्चरूरः श्रदेत् वर्त्वत्यः वर्षेश्वर्त्त्यः वर्षे वर्षेत्रः  | 1. Md. 3           |   |
| 4.   | द्मीत वबर्ज्य गीलर्वरत्त्र, मृत्यर्थ क्रवर्थ, मुक्त क्रियं क्रवर्   | लव वर्ष है।        |   |
| 10   | र्वेषाची द्वीयाद्वित व्यव, वोदार्या धराधराव, द्वीः  | BV 53 03           |   |
| 211. | ब्रक्ष, क्षेत्राबुद, बाधुक्षाचू.जू. वासवातपुर, जावाजा.जू. वाजाका, वास्त्राच्य, खुव.व  | क्ष्यः दी।         |   |
| la,  | े मूं द्विभीका स्वक्ष क्षेत्रास्त्रम् वार्षेक्षामू जू वक्षरम् अवस्य स्वर विषय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स् | में भेर है।        |   |
| ध्यः | रबू.च. चबर.शूपु. प्रश्नावर. पर्ट.य. र्त्रिशकाक्षे. जुप्त. बा.क्ष्ट्र. जूर. ही   |                    |   |
|      | 75 St. 507 St. 50 St. 50 St. 50 St. 157 St. 505   |                    |   |